THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) to (e) The leader of the Indian delegation to the 49th Session of the UN General Assembly stated in the general debate that, given any criteria—population, size of economy or future potential, contribution to the maintenance of international peace and security and to peace-keeping-India deserve to be a permanent member of the Security Council. Other countries with also announced a claim to permanent membership during the general debate were Germany, Japan, Brazil and Nigeria.

The General Assembly's Working Group on the "Question of Equitable Representation on and Increase in the Permanent Membership of the Security Council' is not discussing individual candidatures, but the principles and the criteria that should govern an expansion. Member-States have not, therefore, being required to take a stand on the candidature of any country.

भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल

1121. **श्री नरेश यादव** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने सभी देशों का क्षेत्रफल प्रकाशित किया है ; यदि हां, तो संयुक्त राष्ट्र संघ के 1952 और 1953 के के वार्षिक प्रकाशन में भारत का क्रमश: कितना क्षेत्रफल दर्शाया गया था :

(ख) उन दोनों प्रकाशनों में दर्शाए गए क्षेत्रफल में अंतर होने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या भारत सरकार ने उस पर अपनी आपत्ति प्रकट की है और यदि हां, तो कब और यह आपत्ति किस स्तर पर प्रकट की गई ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) :(क) वर्ष 1966 से संयुक्त राष्ट्र ने अपने वार्षिक प्रकाशनों में सदस्य देशों के क्षेत्रों का उल्लेख करना बंद कर दिया है। वर्ष 1952 के वार्षिक प्रकाशन में भारत का भू-क्षेत्रफल 3,383,845 वर्ग कि०मी० बताया गया है ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Visit of the President of Iran to India

1122. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether President of Iran Mr. Ali Akbar Hashemi Rafsanjani, who was to visit India on October 20, 1994, cancelled his visit; if so, the reasons therefor; and

(b) when he is likely to visit India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) Dates were under consideration for the State visit by the President of Iran to India during Ocober, 1994. Meanwhile, Iranians suggested that the visit could take place next year.

(b) Government will look at dates at an appropriate time next

Countering the adverse publicity in foreign countries due plague

1123. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any measures were taken by Government to counter adverse publicity the country has got in foreign countries due to outbreak of Plague in the months of September/October, 1994;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED) (a) Yes, Sir.

(b) Indian Mission and Government of India's tourist offices kept the local Governments and media informed on a regular basis of the factual position regarding the outbreak of plague. The Government also hosted and number of foreign journalists to enable them to see things for themselves and thus file balanced stories. Suitable demarches were also made to local trade bodies etc. The information bulletins/advisory issued by WHO and its Director General's remarks after his visit to India, were given wide publicity by our overseas offices.

The Government of India also took every opportunity to brief the international press based in Delhi.

The Government also deputed two senior Health Ministry Officers to brief GCC Health Ministers.

(c) Does not arise?

विदेशों में हिन्दी पढ़ाने हेतु नियुक्त किए गए प्राध्यापक

1124. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन देशों में कौन-कौन प्राध्यापक हिन्दी पढ़ाने हेतु नियुक्त हैं ;

(ख) क्या ये नियुक्तियां अथवा प्रतिनियुक्तियां भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की ओर से की गई हैं ; और

(ग) यदि हां, तो ऐसी नियुक्तियों हेतु शर्तें क्या हैं और उनके चयन की विधि क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) सूचना विवरण I और II के रूप में संलग्न है । **(नीचे देखिए)**

(ख) विदेशों में हिन्दी अध्यापकों की प्रतिनियुक्ति भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा विभिन्न द्विपक्षीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की अपनी योजना के तहत और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग की ओर से विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की योजना के तहत की जाती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद विदेशों में स्थापित हमारे सांस्कृतिक केन्द्रों में भी हिन्दी अध्यापकों को भेजता है।

(ग) प्रोफेसरों को दो वर्ष की अवधि के लिये प्रतिनिधि प्रतिनियुक्त पर भेजा जाता है जिसे परस्पर सहमति और उनके मूल विभाग की सहमति से एक और वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकता है। इस संबंध में प्रतिनियुक्ति की शर्तें समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियम 1961 के तहत संचालित होती हैं।

जैसे ही और जब रिक्तियां होती है, विभिन्न विश्व विद्यालयों से उपयुक्त उम्मीदवारों की सिफारिश करने के लिये अनुरोध किया जाता है। विश्व विद्यालयों की सिफारिशों के आधार पर, उपयुक्त उम्मीदवारों का एक पैनल बनाया जाता है और इस पैनल में से चयन समिति तीन या चार विद्वानों को चुनती है। इन विद्वानों का शैक्षिक विवरण प्राप्तकर्त्ता पक्ष के पास भेज दिया जाता है, जो अन्तिम रूप से चयन करता है।

विवरण-I

उन देशों का सूचो जिनमें हिन्दी पढ़ाने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रोफेसरों/प्राध्यापकों को प्रतिनियुक्ति किया गया है :

1. बैल्जियन
2. बुल्गारिया
3. चीन
4. फिनलैण्ड
5. हंगरी
6. कोरिया गणराज्य
7. पोलैण्ड
8. रूस
9. सूरीनाम
10. ट्रिनीडाड
11. तुर्की